मैनू कमली बनाके शाम दस तेनू की मिलिया

मैनू कमली बनाके शाम दस तेनू की मिलिया,
मेरे दिल नु चुरा के श्याम दस तेनु की मिलिया,

मेरा मन इक मंदिर सी तूँ आके बैह जांदा ,
मैं पलका विछाइया सी तू आके बेह जांदा,
मेरी नींद चुरा के श्याम दस तेनु की मिलियाँ,

मै मखन कड्या सी तूँ आके खा जांदा
मै लस्सी रड़की सी तू आके पी जांदा ,
मेरी मटकी फोड़ के श्याम ,दस तेनु की मिलिया

तेरे दर ते आई सा मेनू दासी रख लेनदा,
तेरे चरनी आई सा मेनू गल नाल ला लेनदा,
मैं ता मुखड़ा छुपा के श्याम दस तेनु की मिलियाँ,

मैं तरले पाए सी तू छुप के आ जन्दा,
मैं मीनता कितियाँ सी तू चोरी आ जन्दा,
मेनू झिड़का प्वाके श्याम दस तेनु की मिलिया,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/6471/title/mainu-kamli-banake-sham-tanu-ki-milya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |